सवाल नहीं । चीन के साथ इसका क्या ताल्लुक है ? . . . (व्यवधान) . . .

THE VICE-CHAIRMAN (SYED SIBTEY RAZI) : No, I am not permitting. You have made your point. . . . (*Interruptions*) . . I am not permitting anybody now. . . (*Interruptions*) . . .

SHRI JAGESH DESAI (Maharashtra) : Sir, from this side you should also permit . . . (*Interruptions*) . . .

THE VICE-CHAIRMAN (SYED SIBTEY RAZI) : No, it is not a discussion.

SHRI JAGESH DESAI : Please allow me to speak. . . . (*Interruptions*) . . .

THE VICE-CHAIRMAN (SYED SIBTEY RAZI) : Please take your seats.

श्री अनन्तराय देवशंकर दवे (गुजरात) : . . . व्यवधान) उनको एसोसिएट करना हो तो करें । ऐसी बात नहीं कहनी चाहिए । उनको एसोसिएट करना हो तो करें . . . (व्यवधान) ।

THE VICE-CHAIRMAN (SYED SIBTEY RAZI) : Please sit down. Mr. Salim has clarified the position. Please don't interrupt.

SHRI JAGESH DESAI : Sir, . . .

THE VICE-CHAIRMAN (SYED SIBTEY RAZI) : Mr. Desai, please sit down. Please cooperate with me. (*Interruptions*).

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry) : Our relations with China are improving. Let us not create any controversy. (Interruptions).

SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA : According to the Government of India China has illegally occupied . . . (Interruptions).

THE VICE-CHAIRMAN (SYED SIBTER RAZI) : Shri Sunder Singh Bhandari. Mr. Malkani, please sit down.

SHRI K. R. MALKANI (Delhi) : You have called my name. I have to make my Special Mention.

THE VICE-CHAIRMAN (SYED SIBTEY RAZI) : We have not yet taken up the Special Mentions. Please sit down.

Murder of a Jaipur Jeweller in Bangkok

श्री सुन्दर सिंह भंडारी (राजस्थान) : उपसभाध्यक्ष महोदय, आज समाचार पत्रों में भी इस बात का उल्लेख हुआ है कि चार महीने पहले दिसम्बर में बैंकाक में जयपुर-राजस्थान के एक निवासी प्रताप सिंह बलदिया जो वहां पर जवाहरात का काम करते थे, उनकी हत्या कर दी गई थी । उसी समय वहां नौलखा जवेरी और उनकी पत्नी की भी उनके दफ्तर में हत्या कर दी गई थी और कुर्सी से बांधने के बाद उनकी हत्या की गई थी । आज चार महीने का समय हो गया है मगर हत्यारे पकड़े नहीं गए हैं । राजस्थान-जयपुर के जवाहरात का धंधा करने वाले लोग जो दुनियां के कई क्षेत्रों में जाते हैं, उनकी पिछले कुछ वर्षों में रहस्यमय ढंग से हत्याएं हुई हैं, वे गायब हुए हैं । यह हत्याएं कई प्रमुख शहरों में हुई हैं । न्यूयार्क में हुई हैं, हांगकांग, जेनेवा, ब्राजील और जर्मनी में हत्याएं हुई हैं । न्यूयार्क में सत्यनारायण गुप्ता की हत्या हुई थी, ब्राजील में राम गुप्ता की हत्या हुई, हांगकांग से जेनेवा जाते हुए हेम चन्द गोलछा की हत्या हुई । कुछ लोगों की लाशें भी नहीं मिलीं और इसीलिए एक दो हत्याओं के बारे में यह संदेह है कि अगर ठीक प्रकार से वहां की सरकार इनकी जांच कराए तो इनका पता लग सकता है । मेरा आपसे निवेदन है कि विदेश मंत्रालय को इस मामले में हस्तक्षेप करना चाहिए और संबंधित सरकारों से इस बात का पता कराएं । इन हत्याओं के मामले की उचित प्रकार से जांच कराई जाए और ठीक प्रकार से न्याय प्राप्त हो, यही मैं आपके मार्फत विदेश मंत्रालय को कहना चाहता हूं ।

Strike by Bank Officers on 5th May

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE (West Bengal) : Sir, two lakh bank employees of the public sector banks and the private sector banks have given a call for a country-wide strike on 5th May. The strike notice was served on the 14th April, 1994 to the IBA. Though the representations were made in February 1994, there is no response and no negotiations have yet started. Sir, through you, I urge upon

the Finance Minister to immediately intervene positively so that the dispute can be resolved without any further delay. Thank you.

Custodial deaths in Manipur

SHRI W. KULABIDHU SINGH (Manipur) : Mr. Vice-Chairman, Sir, at the moment, Manipur is under the President's Rule. Today a *Bandh* is being observed in Manipur to protest against the custodial deaths. I am not supporting the *Bandh*. I am not justifying the cause of the *Bandh*. But I am against the custodial deaths. There were three custodial deaths. But the police version is these are suicides. Why are there so many suicides in a space of two months? On 22nd April, 1994, Mr. Wahengbam Deven Singh was killed in police custody. Then in the last week of March another person died in the Imphal police station. The police said that it was a case of suicide. Again on the 24th of April, one Mr. Meino Singh was killed at Lamlai police station. Three custodial deaths in a series have taken place in the course of two months. This is very condemnable. The police take the plea that they were cases of suicide. But this is unbelievable. When the Presidential proclamation was approved on the 22nd February, 1994, I mentioned in this House that I welcomed it. The Opposition also welcomed the proclamation of President's Rule in Manipur. But a note of warning was given that there should be no police and army excesses committed on the people in the name of curbing insurgency. Thank you.

THE VICE-CHAIRMAN (SYED SIBTEY RAZI): Mr. Narayanasamy, to lay a copy of the Reports and Minutes of the Committee on public Undertakings

SHRI V. NARAYANASAMY : Sir, I may be excused for not being present.

REPORTS AND MINUTES OF THE COMMITTEE ON PUBLIC UNDERTAKINGS

SHRI V. NARAYANASAMY : Sir, I beg to lay on the Table a copy each (in English and Hindi) of the following Reports and Minutes of the Committee on Public Undertaking

(i) Thirty-third Report on Indian Airlines-under Utilisation of fleet; Idle Wages to Flying Crew; Avoidable payment on leased Aircraft; Wasteful Expenditure on Training of Pilots; and Delay in Commissioning of Jet Engine Shop and minutes of the sittings of the Committee relating thereto.

(ii) Thirty-fourth Report on Cement Corporation of India Limited and Minutes of the sittings of the Committee relating thereto.

(iii) Thirty-fifth Report on Educational Consultants India Limited and Minutes of the sittings of the Committee relating thereto.

(iv) Minutes of the sittings of the Committee on Public Undertakings relating to Procedural and Miscellaneous Matters.

RESERENCES—Contd.

Prime Minister's statement to be made on London Talks

श्री जगदीश प्रसाद माथुर (उत्तर प्रदेश): मैं दो मिनट का समय चाहता हूं अपनी बात कहने के लिए । महोदय, आपको स्मरण होगा कि दो दिन पहले लंदन में जो बातचीत चल रही थी, उसका उल्लेख आया था और सारे सदन ने मांग की थी कि इस पर बयान आना चाहिए । प्रश्नोत्तर काल के दौरान भाटिया जी ने कुछ स्पष्टीकरण दिया था परन्तु आज जो समाचार छप रहे हैं उनसे सारी स्थिति और ज्यादा उलझ गई दिखती है । यहां पर कहा गया था कि आन-गोईंग प्रोसेस है, उधर हमारे जो हाई-कमिश्नर हैं, उनका बयान आया है कि प्रधानमंत्री जी की जो यह यात्रा है अमरीका की, उसकी प्रेपरेटरी मीटिंग है, आदि-आदि ।

महोदय, इस प्रकार से स्थिति बहुत कम्फ्युज हो गई है । यहां पर यह कहा गया था कि यह खुली बात है लेकिन उधर अमरीका के प्रतिनिधि कह रहे हैं कि हम तो इसे सीक्रेट रखना चाहते थे और जिस प्रकार से हमारे प्रतिनिधि एकदम होटल से निकलकर जैसे चुपके से गए थे, वैसे ही चुपके से भागे हैं ।

उपसभाध्यक्ष (सैयद सिब्ते रजी) : आपको कहना क्या है ? कहने को आप कहिए ।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : महोदय, स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि इसका